****** संगम ******

****कल कल करते हाथ रहता जायेगा मल****

****आया भगवान् धरती पर मत खोना तु यह अब सुंदर पल*****

****चलते चलते अब थक गया है प्रभु आया है खुद चल****

****बुद्धि का दिया है उसने तुझे तीसरा दिव्य नयन****

****कर ले श्रेष्ठ कर्मों की कमाई मत होना तु निष्फल****

****आया प्रभु तेरे द्वार खड़ा कर ले तु अपना समय सफल***

****संगम पर ही बनता भाग्य चलता जो पूरे कल्प***

****भक्ति का ही फल है ज्ञान ले ले तु इसको झोली भर****

****राजयोग से ही मिलता मुक्ति और जीवन मुक्ति का फल****

****मनमनाभव का मंत्र ही सिखाता आत्मा का परमात्मा से मिलन****

****आत्मा का स्वधर्म है शांत शांतिधाम है उसका घर****

****आया भगवन् कर ले अब तु अपना प्रबंध जाना है तुझे अपने घर****

****करके अपना पाप का खाता खत्म; पुण्य ही चलेगा बस तेरे संग****

****छोड़ अब तु माया का संग; मिला है तुझे सत्य बाप का अब सत्संग****